एमएसएमई इकाइयों की मदद करेंगे एकेटीयू -आइआइएम

एमएसएमई इकाइयों को तकनीक व बाजार उपलब्ध कराएंगे दोनों बड़े संस्थान, छोटे उद्यमियों को मिलेगा लाभ

जासं, लखनऊ: सूक्ष्म, लघु और मध्यम औद्योगिक इकाइयों को तकनीक और बाजार उपलब्ध कराने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर और अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) आगे आए हैं। छोटे कारोबारियों को अपनी इकाइयां चलाने में किसी तरह की दिक्कत न आए, इसके लिए दोनों संस्थान उद्योग विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे।

लखनऊ में एक लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं। इनमें से अधिकांश इकाइयां कई तरह की समस्याओं से जूझ रही हैं। लचर प्रबंधन, खराब आर्थिक हालत और तकनीकी के अभाव में कई इकाइयां केवल कागजों पर ही जिंदा हैं। सरकार ने जब एमएसएमई सेक्टर को आगे किया है तब से गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के साथ जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक में एकेटीयू के कुलपति जेपी पांडेय तथा आइआइएम इंदौर के मैनेजर गवर्नमेंट अफेयर्स नवीन कृष्ण राय वर्चुअल माध्यम से जुड़े। दोनों अतिथियों ने एमएसएमई को बेहतर करने का रोडमैप बताया। एकेटीयू कुलपति ने कहा पहले से चल रहे उद्यमों और स्टार्टअप शुरू करने वालों के लिए इक्यूवेशन सेंटर बनाया गया है। स्टार्टअप की स्थापना से लेकर उद्यमों के विस्तार में आ रही तकनीकी और आर्थिक समस्याओं के निस्तारण किया जाएगा। इसमें आर्टीफीशियल इंटलिजेंस के औद्योगिक प्रयोजन को लेकर भी कार्य होगा। इसके लिए एकेटीयू में उद्यमियों की वर्कशाप भी होगी। वहीं आइआइएम इंदौर के मैनेजर गवर्नमेंट अफेयर्स नवीन कृष्ण राय ने कहा कि चिकनकारी की तरह ही एमएसएमई सेक्टर के लिए भी रोडमैप तैयार होगा। इकाइयों को चलाने के लिए कुशल प्रबंधन और बाजार की जरूरत होती है जिसके लिए उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार • सौजन्य : प्रशासन

डीएम के हस्तक्षेप के बाद सड़क निर्माण शुरू : डीएम की सख्ती के बाद आखिरकार सीपेट चौराहे से सब्जी मंडी रोड के निर्माण शुरू हो गया है। इसी प्रकार गोयला औद्योगिक क्षेत्र, देवा रोड, चिनहट में लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत परियोजना के सापेक्ष 800 मीटर सड़क का निर्माण भी शुरू हो गया है। इसके बाद डीएम ने सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव के लिए नाला बनाने के कार्य में हो रहे विलंब को लेकर विभागों को तलब किया। डीएम ने एनएचएआइ और नगर निगम के अफसरों को मौके पर जाकर तत्काल जलनिकासी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

एक जिला एक उत्पाद के तहत जो उद्यमी काम कर रहे हैं। उन्हें एकेटीयू के इंक्यूबेशन सेंटर से तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। लखनऊ के अलावा प्रदेश में ऐसे 15 केंद्र हैं जहां से उन्हें इस तरह की सहायता मिल सकती है।

विश्वविद्यालय के पास पूरा ईको सिस्टम है। सभी उद्यमियों से कहा गया है कि वह आकर इंक्यूबेशन सेंटर को देखें। इसका उन्हें लाभ मिलेगा। उद्यमियों के लिए विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला होगी। इसकी तिथि जिलाधिकारी तय करेंगे।

-प्रो. जेपी पांडेय, कुलपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू)

खास बातें

- एकेटीयू स्थापित करेगा इंक्यूवेशन सेंटर
- इकाइयों को तकनीक मिलने की राह आसान होगी
- नवाचारों आगे बढ़ाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा
- उत्पादों को बेहतर बाजार आसानी से उपलब्ध हो सकेगा
- इकाइयों का बेहतर प्रबंधन करना सीखेंगे छोटे कारोबारी
- गुणवत्ता बढ़ने से वैश्विक जरूरतों के हिसाब से उत्पाद बनेंगे
- प्रशिक्षण से लगातार बदलावों के प्रति खुद को तैयार कर सकेंगे
- लखनऊ में करीब एक लाख एमएसएमई इकाइयां
- ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में एमएसएमई में कुल प्रस्ताव 201
- एमएसएमई इकाइयों में कुल निवेश की धनराशि 4575 .95 करोड़